# Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 01 मई, 2023

## पारसी लेडी

**औपनिवेशिक काल के दौरान पारंपरिक भारतीय कला में क्रांति लाने वाले महान भारतीय कलाकार राजा रवि वर्मा की एक अधूरी पेंटिंग** जल्द ही सार्वजनिक की जाएगी। वर्ष 1906 में अपनी मृत्यु से पहले रवि वर्मा द्वारा बनाई गई **'पारसी लेडी' नाम की पेंटिंग उनकी आखिरी कृति** है। यह पेंटिंग अद्वितीय है क्योंकि यह दादा साहेब फाल्के **के साथ रवि वर्मा के जुड़ाव** की एक झलक प्रदर्शित करती है, जिन्होंने उस समय उनके लिये काम किया था। रवि वर्मा ने फाल्के को एक बड़ी राशि दी, जिन्होंने बाद में**पहली गहन भारतीय फीचर फिल्म, राजा हरिश्चंद्र** बनाकर हेतु ख्याति प्राप्त की। **कलिमिनूर पैलेस ट्रस्ट पेंटिंग का मालिक** है एवं उसने रवि वर्मा की **175वीं जयंती** के अवसर पर एक अन्य पेंटिंग के साथ इसका अनावरण करने का फैसला किया है जिसे अभी तक प्रदर्शित नहीं किया गया है। इस **पैलेस ने एक कला पुनर्स्थापक एस. माधन** की मदद से पेंटिंग को उसके मूल रूप में बहाल किया है, इन्होंने पेंटिंग पर जमा हुई पुरानी वार्निश की परतों तथा गंदगी को हटाने का काम किया। राजा रवि वर्मा का जन्म 29 अप्रैल, 1848 को हुआ, जो एक भारतीय चित्रकार थे, जिन्हें **हिंदू देवी-देवताओं के पश्चिमी, शास्त्रीय प्रतिनिधित्व हेतु जाना जाता था।** उन्होंने शाही चित्रकार रामास्वामी नायडू से जलरंगों का प्रशिक्षण प्राप्त किया एवं अपने जीवनकाल में लगभग 7,000 चित्र बनाए। वर्मा की लिथोग्राफिक प्रेस की महारत ने उनके काम को दूर-दूर तक विस्तारित करने में मदद की, साथ ही उन्हें वर्ष 1904 में ब्रिटिश औपनिवेशिक सरकार द्वारा**कैसर-ए-हिंद स्वर्ण पदक से सम्मानित** किया गया। वर्ष **2013 में बुध ग्रह पर एक क्रेटर उनके सम्मान में नामित** किया गया था।
**और पढ़ें...**राजा रवि वर्मा

## सर्वोच्च न्यायालय ने हेट स्पीच पर प्रथमिकी दर्ज करने के आदेश दिये

भारत के **सर्वोच्च न्यायालय** ने **सभी राज्यों को हेट स्पीच की घटनाओं पर स्वत: संज्ञान लेते हुए** प्राथमिकी **दर्ज करने और शिकायत दर्ज होने की प्रतीक्षा किये बिना अपराधियों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही शुरू** करने का निर्देश दिया है। न्यायालय ने**भारतीय दंड संहिता** (IPC) की धारा **153A (धर्म के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच वैमनस्य को बढ़ावा देना), 153B (आरोप, राष्ट्रीय एकता के प्रतिकूल दावे), 505 (सार्वजनिक अनिष्ट), 295A (धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाने के इरादे से जान-बूझकर और दुर्भावनापूर्ण कार्य)** सहित विशिष्ट दंड प्रावधानों के तहत हेट स्पीच के अपराधियों की पहचान करने एवं कार्रवाई करने की आवश्यकता पर बल दिया। न्यायालय ने अक्तूबर 2022 में इसी तरह का एक आदेश पारित किया था। हालाँकि यह तर्क दिया गया था कि **हेट स्पीच से निपटने की आड़ में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का गला नहीं घोंटा जाना चाहिये** और न्यायालय का मानना है संविधान भारत को एक **धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र** के रूप में देखता है जिसमें **व्यक्ति की गरिमा एवं एकता तथा देश की अखंडता भी सुनिश्चित होनी चाहिये।**
**और पढ़ें...** हेट स्पीच

## वाटर फिक्सचर के लिये स्टार रेटिंग सिस्टम

**आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय (MoHUA)** तथा **अमृत 2.0** के मिशन निदेशक ने **पलंबेक्स** इंडिया 2023 में घोषणा की कि भारत सरकार जल दक्षता को बढ़ावा देने के लिये वाटर फिक्सचर एक स्टार रेटिंग प्रणाली शुरू करने की प्रक्रिया में है। बिजली के उपकरणों की तरह**भारत टैप** की **छत्रछाया में इन वाटर फिक्सचर को उनकी दक्षता के आधार पर 3, 4 या 5 स्टार की रेटिंग दी जाएगी।**
इन मानकों को अपनाने और बढ़ावा देने के लिये इंडियन प्लंबिंग एसोसिएशन (IPA) और निर्माताओं को शामिल किया गया है। पहल में पहले ही देखा गया है कि औसतन 30% से अधिक जल बचाया जा सकता है। IPA ने इस वर्ष अकेले 10,000 करोड़ लीटर जल बचाने हेतु प्रतिबद्धता व्यक्त की है, सरकार से भविष्य में निविदाएँ देते समय कम प्रवाह वाले फिक्सचर को प्राथमिकता देने का आग्रह किया गया है।
**और पढ़ें...** भारत टैप

## भारत के मुख्य क्षेत्र का धीमा विकास

**वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय** के आँकड़ों के अनुसार, **भारत के** आठ प्रमुख क्षेत्रों **के उत्पादन में** मार्च 2023 में **3.6 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जो पाँच महीनों में सबसे कम है।** उच्च मुद्रास्फीति, उधार प्रभाव, बढ़ती ब्याज और बढ़ी हुई आर्थिक अनिश्चितता के साथ-साथ मांग में कमी जैसे कारकों ने घरेलू मांग को प्रभावित किया है, जिसके परिणामस्वरूप विकास दर धीमी हुई है। भारत में मुख्य क्षेत्रों में आठ उद्योग शामिल हैं जिनका समग्र आर्थिक और औद्योगिक गतिविधियों पर बड़ा प्रभाव है। इसमें **कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, स्टील, सीमेंट एवं बिजली** शामिल हैं। इन उद्योगों का **औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (IIP)** में संयुक्त भार **40.27 प्रतिशत** है जो **अर्थव्यवस्था में विभिन्न उद्योग समूहों की विकास दर** को मापता है। मुख्य क्षेत्र अर्थव्यवस्था के पूंजी आधार और बुनियादी ढाँचे का प्रतिनिधित्व करता है। इन उद्योगों का प्रदर्शन अन्य क्षेत्रों को भी प्रभावित करता है।

**और पढ़ें...** [कोर सेक्टर इंडस्ट्रीज़]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-01-may-2023